भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1855

11.02.2026 को उत्तर देने के लिए

मेरठ में तारामंडल/वेधशाला

1855. श्री अरुण गोविलः

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का खगोल विज्ञान में भारतीयों की रुचि, जिसके कारण प्राचीन काल से ग्रहों और नक्षत्रों से संबंधित महत्वपूर्ण खोजें हुई हैं और वैज्ञानिक श्री राकेश शर्मा और सुश्री सुनीता विलियम्स के अंतरिक्ष यात्रा के बाद अंतरिक्ष विज्ञान में भारतीय बच्चों की रुचि काफी बढ़ गई है, को ध्यान में रखते हुए मेरठ में एक तारामंडल और वेधशाला स्थापित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का लखनऊ, वाराणसी और प्रयागराज जैसे उत्तर प्रदेश के अन्य भागों की तर्ज पर मेरठ में भी तारामंडल या वेधशाला स्थापित करने का विचार है; और

(ग) यदि हां, तो इसे कब तक स्थापित किए जाने की संभावना है?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) से (ग): सरकार देश में खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति बढ़ती रूचि को, विशेषकर छात्रों के बीच, तथा वैज्ञानिक सोच और विज्ञान के प्रति जन सहभागिता को बढ़ावा देने में तारामंडलों और वेधशालाओं जैसी संस्थाओं की भूमिका को मान्यता देती है। भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए), बेंगलुरु, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन एक स्वायत्त संस्थान है, द्वारा मैसूरु में ब्रह्मांड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान प्रशिक्षण केंद्र (कॉस्मॉस) की स्थापना की जा रही है। इस केंद्र की स्थापना को डीएसटी, डीएई, डीओएस, पीएसए के कार्यालय और माननीय वित्त मंत्री के सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीएलएडीएस) निधि के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। अत्याधुनिक, दुनिया का पहला 8के रेज़ोल्यूशन वाला एलईडी डोम तारामंडल, आरएसए कॉसमॉस की

अत्याधुनिक एलईडी तकनीक का उपयोग करते हुए 360-डिग्री का शानदार दृश्य अनुभव प्रदान करता है, जो पारंपरिक प्रोजेक्शन प्रणालियों से कहीं श्रेष्ठ है। चामुंडी पहाड़ी के पास मैसूर विश्वविद्यालय में स्थित, यह तारामंडल खगोल विज्ञान और एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित) शिक्षा को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करता है, साथ ही दूरबीनों से प्राप्त रियल टाइम डेटा का उपयोग करके डेटा विश्लेषण में शिक्षकों और छात्रों को प्रशिक्षित करता है।

संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम), "विज्ञान संस्कृति संवर्धन योजना (एसपीओसीएस)" की कार्यान्वयन एजेंसी है, जिसके अंतर्गत विभिन्न राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों, जो अपने यहां विज्ञान शहर, विज्ञान केंद्र, डिजिटल तारामंडल, वेधशाला नवाचार केंद्र आदि स्थापित करने के इच्छुक हैं, से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर देश भर में विज्ञान शहर, विज्ञान केंद्र, डिजिटल तारामंडल, नवाचार केंद्र आदि स्थापित किए जाते हैं। हालांकि, अभी तक मेरठ में तारामंडल/वेधशाला स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

*****